आज का मौसम
आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे।
40.6° अधिकतम तापमान
29.4° न्यूनतम तापमान
सूर्य
अस्त (आज) 07:16
उदय (कल) 05:23

दिल्ली जागरण

www.jagran.com
दैनिक जागरण
नई दिल्ली, 4 जून 2019

एयर क्वालिटी इंडेक्स

पीएम2.5

दिल्ली		
आज का अनुमान	85	सामान्य
सोमवार	78	सामान्य
पीतमपुरा		
आज का अनुमान	208	खतरनाक
सोमवार	181	खतरनाक
दिल्ली विश्वविद्यालय		
आज का अनुमान	249	खतरनाक
सोमवार	215	खतरनाक
लोधी रोड		
आज का अनुमान	176	खतरनाक
सोमवार	152	बहुत खराब
पूसा		
आज का अनुमान	135	खतरनाक
सोमवार	112	खतरनाक
मथुरा रोड		
आज का अनुमान	204	खतरनाक
सोमवार	178	खतरनाक
नोएडा		
आज का अनुमान	159	बहुत खराब
सोमवार	134	बहुत खराब
गुरुग्राम		
आज का अनुमान	269	खतरनाक
सोमवार	234	खतरनाक

एक दशक में एक डिग्री बढ़ा तापमान

बढ़ते शहरीकरण ने बढ़ाई दिल्ली में गर्मी

संजीव गुप्ता ● नई दिल्ली

शहरीकरण की अंधी दौड़ कहें या पर्यावरण की अनदेखी, लेकिन जलवायु परिवर्तन का असर दिल्ली पर अब साफ नजर आने लगा है। इसी का नतीजा है कि पिछले एक दशक में दिल्ली का तापमान 1.2 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ गया है। विडंबना यह भी कि गर्मियों के सीजन में साल दर साल तपती दिल्ली में इस स्थिति से निपटने के लिए न कोई हीट एक्शन प्लान है और न ही कहीं किसी और रूप में कोई गंभीरता नजर आती है।

गैर सरकारी संस्था इंटीग्रेटेड रिसर्च एंड एक्शन फॉर डेवलपमेंट (इराडे) ने 2010 से 2018 तक के तापमान पर विस्तृत अध्ययन रिपोर्ट तैयार की है। इसमें मौसम विभाग के सफदरजंग, पालम, रिज और आया नगर केंद्रों के तापमान को आधार बनाया गया है। अध्ययन में पाया गया कि दिल्ली के अधिकतम एवं न्यूनतम दोनों ही तापमान में वृद्धि हो रही है। यह वृद्धि भी गर्मियों के चारों महीनों मार्च, अप्रैल, मई और जून के तापमान में हो रही है। रिपोर्ट बताती है कि एक दशक के दौरान मार्च के अधिकतम तापमान में 1.2 डिग्री, अप्रैल व मई में 0.5 डिग्री और जून में 0.1 डिग्री सेल्सियस का इजाफा दर्ज किया गया। इसी तरह न्यूनतम मार्च के न्यूनतम तापमान में 0.9 डिग्री, अप्रैल में 0.43 डिग्री, मई और जून में 0.1 डिग्री सेल्सियस का इजाफा रिकार्ड किया गया है।

तापमान में वृद्धि की मुख्य वजह: रिपोर्ट के मुताबिक, बढ़ते तापमान के लिए प्रकृति नहीं बल्कि दिल्ली वाले खुद जिम्मेदार हैं। कंक्रीट के बढ़ते जंगल से हरित क्षेत्र लगातार घट रहा है।

हरियाली का मतलब घास वाले पार्क नहीं बल्कि वन क्षेत्र है। पार्कों में भी बड़े पेड़ होने चाहिए।

इसी तरह से कच्चा क्षेत्र, जहां वर्षा जल संचयन हो सके, दिल्ली में समाप्त होता जा रहा है। कमर्शियल गतिविधियों और वाहनों का उपयोग बढ़ रहा है। इन सभी कारणों से दिल्ली में तापमान लगातार बढ़ रही है।

कनॉट प्लेस में धूप से बचने के लिए सिर पर बैग रखकर जाती महिला ● जागरण

पिछले एक दशक में दिल्ली का विकास तो हुआ है, लेकिन इसके नाम पर भवन निर्माण हुआ है या सड़कों पर वाहनों की भीड़ बढ़ी है। इसके विपरीत दिल्ली का प्रकृति प्रदत्त स्वरूप खत्म होता जा रहा है। यही वजह है कि भीषण गर्मी के इस मौसम में दिल्ली वासी घर से बाहर निकलने पर छाया के लिए ठिकाना ढूंढते नजर आते हैं, लेकिन ऐसा ठिकाना उन्हें मिलता ही नहीं है। दिल्ली को अत्यधिक गर्मी से बचाना है तो शहरीकरण पर अंकुश लगाना जरूरी है।

रोहित मगोत्रा, उप निदेशक, इराडे

बिना हीट एक्शन प्लान के गर्मी से जूझ रही राजधानी

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली : इस चिलचिलाती गर्मी में भी दिल्ली में हीट एक्शन प्लान के नाम पर खोखली चर्चा के अलावा कुछ नहीं है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) की 2016 में जारी दिशानिर्देश तक कागजी दस्तावेज बनी हुई हैं। हालांकि इंटीग्रेटेड रिसर्च एंड एक्शन फॉर डेवलपमेंट (इराडे) का हीट एक्शन प्लान दो साल से तैयार है, लेकिन इसे दिल्ली सरकार से मंजूरी मिलने का इंतजार है। सोमवार को भी इराडे ने दिल्ली सरकार को रिमाइंडर भेजकर प्लान पर चर्चा करने के लिए समय मांगा है।

आइआइटी दिल्ली की एक शोध रिपोर्ट के अनुसार, जिन क्षेत्रों में व्यापक पैमाने पर कंक्रीट का जंगल देखने को मिलता है और जिन क्षेत्रों में अभी शहरीकरण का प्रभाव कम है, वहां के तापमान में खासा अंतर होता है। शहर के औसत तापमान से अलग इन क्षेत्रों में मौसम का मिजाज देखा जाता है। एनडीएमए की दिशानिर्देश कहती है, शहरों के तापमान में यह अंतर क्यों है, इसे कैसे पाटा जाए, बढ़ते तापमान पर अंकुश कैसे लगे, अधिक तापमान से स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव न पड़े इत्यादि मुददों को लेकर हर बड़े शहर का हीट एक्शन प्लान होना चाहिए। वहीं दिल्ली में इस प्लान पर सरकार और नगर निगमों के स्तर पर सभी बातें चर्चा तक ही रह जाती हैं। थोड़ा बहुत काम भी नई दिल्ली नगरपालिका परिषद यानी लुटियंस जोन में ही हो पा रहा है।

हीट स्ट्रोक ही नहीं, हीट स्ट्रेस भी मानव दिनचर्या को प्रभावित कर रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ता तापमान चिंता का विषय है। गर्मी जितनी ज्यादा होती है, बिजली और पानी की किल्लत भी उतनी ही बढ़ती जाती है। ऐसे में हीट एक्शन प्लान समय की जरूरत बन गया है, लेकिन सरकार इसे लेकर गंभीर नहीं है। हमने एक बार फिर रिमाइंडर भेजकर सरकार से समय मांगा है। अगर वक्त मिला तो इस प्लान पर चर्चा कर आगे की रूपरेखा तय की जाएगी।

रोहित मगोत्रा, उप निदेशक, इराडे

दो साल पहले इराडे ने हीट एक्शन प्लान पर दिल्ली सरकार से संपर्क किया। सरकार ने ओएसडी स्तर के अधिकारी को इसकी जिम्मेदारी सौंप दी, लेकिन इसके बाद कुछ नहीं हुआ। इस साल फिर इराडे ने सरकार से संपर्क किया, लेकिन ओएसडी की ड्यूटी लगाकर दोबारा इतिश्री कर ली गई। हालांकि इराडे ने उत्तरी दिल्ली नगर निगम (एनडीएमसी), दक्षिणी दिल्ली नगर निगम (एसडीएमसी) एवं पूर्वी दिल्ली नगर निगम (ईडीएमसी) से भी बात की, हीट एक्शन प्लान की जरूरत भी सभी ने महसूस की, किन्तु नतीजा कुछ नहीं रहा। सभी जगह से जवाब मिला कि हीट एक्शन प्लान में जिन विभागों की सबसे अहम भूमिका होगी, वे दिल्ली सरकार के ही अधीन हैं। इसलिए उनकी सहभागिता के बगैर प्लान पर काम नहीं हो पाएगा। विशेषज्ञों के अनुसार, सरकार के स्तर पर सहमति और अनुमति मिलने के बाद भी इस हीट एक्शन प्लान को लागू करने में करीब दो साल लग जाएंगे। वजह, इसके तहत पहले इराडे दिल्ली के इलाकों की मैपिंग करेगा। इसके बाद सभी क्षेत्रों पर विस्तृत शोध किया जाएगा कि कहां की भौगोलिक स्थिति कैसी है, वहां का तापमान कम या ज्यादा क्यों है। हरियाली और वन क्षेत्र की स्थिति वहां कैसी है। इस शोध के बाद विस्तृत एक्शन प्लान तैयार किया जाएगा कि क्या-क्या उपाय किए जाएं, जिससे यहां का तापमान बहुत ज्यादा न जाए और भीषण गर्मी में भी राहत का दौर कैसे बनाए रखा जाए।

हीट एक्शन प्लान के ड्राफ्ट पर एक नजर: इस प्लान में गर्मी को तीन हिस्सों में बांटा गया है। 41.1 से 43 डिग्री तापमान को येलो अलर्ट श्रेणी में रखा गया है। इसके लिए हॉट डे एडवाइजरी जारी होगी। 43.1 से 44.9 डिग्री तापमान को ऑरेंज अलर्ट श्रेणी में रखा गया है। इसके लिए हीट अलर्ट डे की घोषणा होगी। 45 डिग्री से ऊपर तापमान होने पर रेड अलर्ट हो जाएगा एवं एक्सट्रीम हीट अलर्ट डे की घोषणा कर दी जाएगी। हर स्थिति से निपटने के लिए परिवहन, स्वास्थ्य, बिजली, जल बोर्ड, महिला एवं बाल विकास, लोक निर्माण विभाग, शिक्षा विभाग, एनजीओ और मीडिया की शृंखला बनाकर उनकी भूमिका तय की जाएगी। हर श्रेणी के अलग उपाय होंगे जो उस श्रेणी में अपने आप ही लागू हो जाएंगे।

मौसम ने ली करवट, आ भी कम सताएगी गर्मी

कनॉट प्लेस में गर्मी से परेशान महिला पानी पीकर प्यास बुझाती हुईं ● ध्रुव कुमार

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली : पिछले कुछ दिनों की रिकॉर्डतोड़ गर्मी के बाद सोमवार को मौसम में हल्का बदलाव देखने को मिला। सुबह के समय हवा से राहत मिली तो दिन के तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई। इससे दिल्ली वासियों को थोड़ी राहत मिली। मंगलवार और बुधवार को भी कमोबेश ऐसा ही मौसम रहने की संभावना है।

मौसम के मिजाज में सोमवार को सुबह के समय थोड़ी नरमी थी। हवा भी चल रही थी। हालांकि, दिन के समय धूप की तपन तेज थी, लेकिन अन्य दिनों की तुलना में चुभन थोड़ा कम थी। पूर्वी और चक्रवाती हवाओं के संयुक्त प्रभाव से ही सही, अधिकतम तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई।

पालम में सोमवार को अधिकतम तापमान 42.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हालांकि, मौसम विभाग ने औसत अधिकतम सामान्य स्तर पर 40.6 और

बिजली की मांग सौ मेगावाट के प

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली : दिल
बिजली की मांग तेजी से ब
है। रविवार को अवकाश के
भी मांग में कमी आने के
बढ़ोतरी दर्ज की गई। मध्य र
मांग 65 सौ मेगावाट को पा
गई थी। सोमवार को भी बि
की मांग में बढ़ोतरी जारी रह
अपराह्न 3.21 बजे अधि
मांग 6612 मेगावाट दर्ज की
यही हाल रहा तो अगले कुछ
में अधिकतम मांग का रिको
टूट सकता है। मांग बढ़ने के
ही बिजली कटौती की समस
बढ़ रही है।

पिछले वर्ष दस जुला
अधिकतम मांग 7016 मे

COPY